Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 SHISRRJ | Volume 4 | Issue 6 | ISSN : 2581- 6306

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में विभिन्न जाति वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन

प्रो0 रीता सिंह
शोध निर्देशक, शिक्षक–शिक्षा विभाग,
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
जौनपुर,उत्तर प्रदेश।

राजकुमार सिंह
शोधकर्त्ता, (शिक्षाशास्त्र)
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,
जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Volume 5, Issue 2

Page Number : 123-130

Publication Issue :
March-April-2022

Article History
Received : 01 March 2022
Published : 17 March 2022

सारांश– शोध पत्र कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में विभिन्न जाति वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करना है। अध्ययनकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग कर अध्ययन कार्य में किया है। अध्ययन हेतु गोरखपुर मण्डल के अन्तर्गत कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं को जनसंख्या के रूप में लिया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया है न्यादर्श के रूप में गोरखपुर जनपद के कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों का चयन करते हुए उसमें अध्ययनरत् 450 बालिकाओं (150 पिछड़ी जाति, 150 अनुसूचित जाति/जनजाति तथा 150 अल्पसंख्यक वर्ग) का चयन किया गया है। शैक्षिक समस्या को मापने के लिए डॉ0 बीना शाह एवं डा0 एस0के0 लखेरा द्वारा निर्मित ''एजुकेशनल प्राब्लम्स कोश्चनायर फॉर स्टूडेन्ट्स'' का प्रयोग किया गया है। इस उपकरण का निर्माण शैक्षिक समस्याओं से सम्बन्धित किया गया है। इस प्रश्नावली में कुल 164 कथनों को रखा गया है। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष प्राप्ति हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं क्रान्तिक अनुपात को आधार बनाया गया है। आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या उपरान्त निष्कर्ष में पाया गया कि–

1. क.गा.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याएँ सबसे अधिक, पिछड़ी जाति की औसत तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं में निम्न समस्याएँ है।
2. क.गा.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में समायोजन की समस्या सबसे अधिक, पिछड़ी जाति की औसत तथा सबसे कम समायोजन की समस्या अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं में है।
3. विद्यालय में परीक्षा सम्बन्धी समस्याएँ अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की अपेक्षा अधिक है अर्थात् तीनों में अन्तर है।

मुख्य शब्द– कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय, पिछड़ी,

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अल्पसंख्यक वर्ग, छात्राएँ, शिक्षक एवं शिक्षण समस्या, समायोजन तथा परीक्षा सम्बन्धी समस्या, अन्तर।

प्रस्तावना– हमारे देश में महिलाओं के पिछड़ेपन का सबसे बड़ा कारण शिक्षा का अभाव ही है। आज भी शिक्षा देने में लड़के और लड़कियों के बीच भेदभाव किए जाता हैं। एक तरफ लड़कों को आर्थिक निर्भरता प्राप्त करने के लिए शिक्षित किया जाता है, तो दूसरी तरफ लड़कियों को बस कामचलाऊ शिक्षा देने की बात सोची जाती है। यहां बात उन बीस प्रतिशत लोगों की नही की जा रही है, जो अपने बेटे और बेटी की शिक्षा पर समान दृष्टिकोण रखते हैं और दोनो को समान सुविधाएं प्रदान करते हैं, बल्कि यहां बात उन अस्सी प्रतिशत लोगों की हो रही है, जो अभी भी अपनी बेटी को कामचाऊ शिक्षा तक सीमित रखते हैं।

महिला शिक्षा के मामले में अभी भी हमारे देश की स्थिति दयनीय है. प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर तो फिर भी सुधार और सुधार की संभावनाएं थोड़ा संतोष देती है, लेकिन उच्च शिक्षा की स्थिति आज भी बेचैन कर देने वाली है. आज भी कॉलेज और विश्विद्यालयों में लड़कियों की संख्या काफी कम है और जो हैं, उसमें भी अधिकांश कुछ बड़े शहरों तक सीमित है, ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति बदतर है।

ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में लड़कियों को कॉलेज तक पहुंचाना मुश्किल होता है। इसके दो कारण है– पहला कारण तो परिवार की वह सोच है, जिसके कारण यह समझा जाता है कि लड़कियों को ज्यादा पढ़ाकर क्या करना है। उसे तो शादी करके किसी दूसरे के घर जाना है। लड़कियों को केवल उतना पढ़ा दो, जितना पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए आवश्यक है। इस सोच के कारण लड़कियों को स्कूल स्तर की शिक्षा तो दिलाई जाती है, लेकिन उच्च शिक्षा दिलाने में रूचि नही दिखाई जाती है।

उच्च शिक्षा तक लड़कियों की पहुंच कम होने का दूसरा कारण सरकार की उपेक्षापूर्ण नीतियां है। इसके लिए सरकार भी उतनी ही जिम्मेदार है, जितना कि समाज की मानसिकता। सरकार ने भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों के लिए द्वार बंद करने में कम भूमिका नही निभाई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज की संख्या काफी कम है। कालेज या तो जिला मुख्यालय में बनाए जाते हैं, या फिर उसके आस–पास के किसी क्षेत्र में। गांवों से कालेज जाने वाली लड़कियों की भौगोलिक दूरी इतनी होती है कि उसके घर वाले उन्हें कालेज तक जाने की अनुमति देने में कतराते हैं. एक तो कालेज की कमी और दूसरी बात कॉलेज तक जाने के लिए परिवहन साधनो का अभाव, ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करती है कि लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा, कॉलेज का माहौल मिलना दूभर हो जाता है।

वर्तमान स्थिति को बदलना है, तो सरकार की नीतियों और लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा. सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार की है. सरकार या तो कॉलेजों की संख्या बढ़ाए, ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज खुलवाए या फिर कॉलेज तक पहुंचने के लिए परिवहन के साधनो की व्यवस्था करे. अगर केवल शहरों को उच्च शिक्षा का केंद्र बनाया जाता रहा, तो ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों के लिए इसकी प्राप्ति का मार्ग बहुत कठिन हो जाएगा। वहां की लड़कियों को एक साथ दो तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पहली समस्या सामाजिक मानसिकता के साथ संघर्ष करना, तो दूसरी समस्या कॉलेज की उपलब्धता का कम होना है, जिसके लिए उन्हें बीस–पच्चीस किलोमीटर दूर जाना पड़ता है. इसलिए जरूरी है कि महिला सशक्तीकरण की बात करने वाली सरकार महिलाओं की शिक्षा के प्रति गंभीर हो, उन्हें संसाधन उपलब्ध कराए ताकि सही मायने में सशक्तीकरण हो सके, क्योंकि शिक्षा के बिना सशक्तीकरण तो संभव ही नही है।

समस्या कथन– कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में विभिन्न जाति वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन

उद्देश्य–

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की समायोजन सम्बन्धित समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की परीक्षज्ञा सम्बन्धी समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ– अध्ययन में निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है–

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की समायोजन सम्बन्धित समस्याओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की परीक्षज्ञा सम्बन्धी समस्याओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध–विधि– अध्ययनकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग कर अध्ययन कार्य में किया है।

जनसंख्या/समग्र– अध्ययन हेतु गोरखपुर मण्डल के अन्तर्गत कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श का चयन साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया है न्यादर्श के रूप में गोरखपुर जनपद के कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालयों का चयन करते हुए उसमें अध्ययनरत् 450 बालिकाओं (150 पिछड़ी जाति, 150 अनुसूचित जाति/जनजाति तथा 150 अल्पसंख्यक वर्ग) का चयन किया गया है।

उपकरण– शैक्षिक समस्या को मापने के लिए डॉ0 बीना शाह एवं डा0 एस0के0 लखेरा द्वारा निर्मित ''एजुकेशनल प्राब्लम्स कोश्चनायर फॉर स्टूडेन्ट्स'' का प्रयोग किया गया है। इस उपकरण का निर्माण शैक्षिक समस्याओं से सम्बन्धित किया गया है। इस प्रश्नावली में कुल 164 कथनों को रखा गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकी विधियॉं : प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष प्राप्ति हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं क्रान्तिक अनुपात को आधार बनाया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन –

तालिका – 1

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं के मध्य टी–मान

जाति वर्ग	N	M	S.D.	(M_1~M_2)	σ_D	t-value
पिछड़ी जाति	150	36.53	5.57	4.19	0.94	4.46*
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	40.72	10.08			
पिछड़ी जाति	150	36.53	5.57	6.600	1.44	4.58*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	29.93	16.79			
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	40.72	10.08	10.79	1.6	6.74*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	29.93	16.79			

*.05 = सार्थक

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति/ जनजाति की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 36.53 एवं 40.72 तथा मानक विचलन क्रमशः 5.57 एवं 10.08 है प्राप्त टी–मान 4.46 जो .05 (5 प्रतिशत) पर सूचक है। अतः अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याएँ पिछड़ी जाति की बालिकाओं की अपेक्षा अधिक है।

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 36.53 एवं 29.93 तथा मानक विचलन क्रमशः 5. 57 एवं 16.79 है प्राप्त टी–मान 4.58 जो .05 (5 प्रतिशत) पर सूचक है। अतः पिछड़ी जाति की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याएँ अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की अपेक्षा अधिक है।

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का मध्यमान क्रमशः 40.72 एवं 29.93 तथा मानक विचलन क्रमशः 10.08 एवं 16.79 है प्राप्त टी–मान 5.74 जो .05 (5 प्रतिशत) पर सूचक है। अतः अनुसूचित जाति/ जनजाति की बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याएँ अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की अपेक्षा अधिक है।

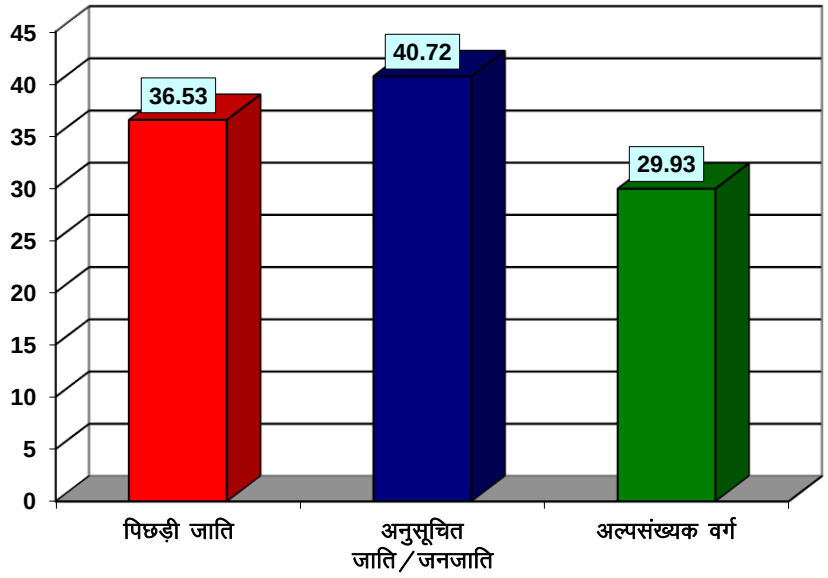

आरेखीय चित्रण–1

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याओं का मध्यमान

2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की समायोजन सम्बन्धी समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन–

तालिका – 2

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की समायोजन की समस्या के मध्य टी–मान

जाति वर्ग	N	M	S.D.	$(M_1 \sim M_2)$	σ_D	t-value
पिछड़ी जाति	150	23.97	4.38	5.92	0.72	8.22*
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	29.89	7.70			
पिछड़ी जाति	150	23.97	4.38	6.620	1.05	6.30*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	17.35	12.06			
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	29.89	7.70	12.54	1.17	10.72*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	17.35	12.06			

*.05 = सार्थक

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की समायोजन की समस्या का मध्यमान क्रमशः 23.97, 29.89 एवं 17.35 तथा मानक विचलन क्रमशः 4.38, 7.70 एवं 12.06 है तीन के मध्य प्राप्त टी–मान क्रमशः 8.22, 6.30 एवं 10.72 है जो .05 (5 प्रतिशत) पर सूचक है। अतः अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की समायोजन की समस्या पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं की अपेक्षा निम्न है।

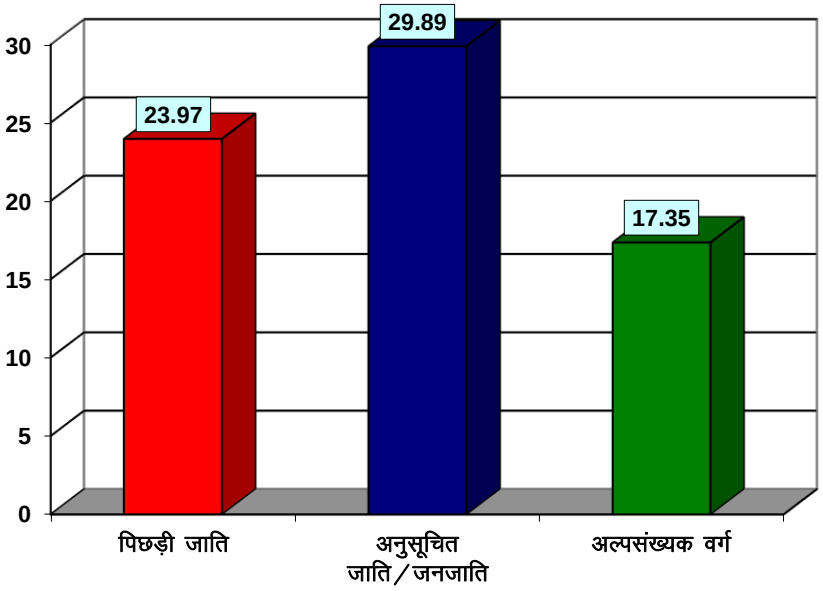

आरेखीय चित्रण–2

***क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की समायोजन की समस्या* का मध्यमान**

3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की परीक्षा सम्बन्धी समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन–

तालिका – 3

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की परीक्षा सम्बन्धी समस्या के मध्य टी–मान

जाति वर्ग	N	M	S.D.	$(M_1 \sim M_2)$	σ_D	t-value
पिछड़ी जाति	150	3.54	1.55	0.5	0.19	2.63*
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	4.04	1.66			
पिछड़ी जाति	150	3.54	1.55	0.580	0.21	2.76*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	2.96	2.09			
अनुसूचित जाति/जनजाति	150	4.04	1.66	1.08	0.22	4.91*
अल्पसंख्यक वर्ग	150	2.96	2.09			

*.05 = सार्थक

क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की परीक्षा सम्बन्धी समस्या का मध्यमान क्रमशः 3.54, 4.04 एवं 3.54 तथा मानक विचलन क्रमशः 1.55, 1.66 एवं 2.09 है। तीनों जाति वर्ग की बालिकाओं का परीक्षा सम्बन्धी समस्या के मध्य प्राप्त टी–मान क्रमशः 2.63, 2.76 एवं 4.91 है जो .05 (5 प्रतिशत) पर सूचक है। अतः तीनों जाति वर्ग की बालिकाओं की परीक्षा सम्बन्धी समस्या में अन्तर है अर्थात् अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में अन्य दो जाति वर्गों की बालिकाओं की अपेक्षा परीक्षा सम्बन्धी समस्या अधिक है।

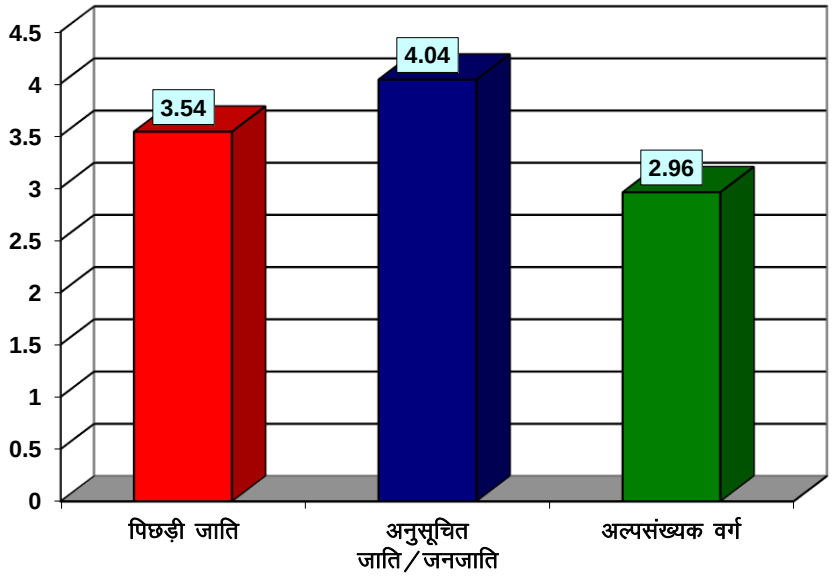

आरेखीय चित्रण–3

***क.गाँ.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् बालिकाओं की परीक्षा सम्बन्धी समस्या* का मध्यमान**

निष्कर्ष– अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

1. क.गा.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में शिक्षक एवं शिक्षण से सम्बन्धित समस्याएँ सबसे अधिक, पिछड़ी जाति की औसत तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं में निम्न समस्याएँ है।
2. क.गा.बा.अ.वि. में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में समायोजन की समस्या सबसे अधिक, पिछड़ी जाति की औसत तथा सबसे कम समायोजन की समस्या अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं में है।
3. विद्यालय में परीक्षा सम्बन्धी समस्याएँ अनुसूचित जाति/जनजाति की बालिकाओं में पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं की अपेक्षा अधिक है अर्थात् तीनों में अन्तर है।

सन्दर्भ सूची

1.गुप्ता, एस.पी. एवं अलका गुप्ता (2009): भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्यायें, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ. 710–711.

2.गुप्ता, प्राची (2018). अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की शिक्षा में सामाजिक बाधाओं का तुलनात्मक अध्ययन, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांसड एजुकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम–3, इश्शू–2, पृ0 367–368

3.गुप्ता, राधा एवं उपाध्याय, हिमानी (2016). अनाथ एवं सनाथ विद्यार्थियों की मनोसामाजिक समस्याओं का अधिगम व्यवहार पर प्रभाव का अध्ययन, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्पिलनरी रिसर्च एण्ड डेवेलपमेण्ट, वॉल्यूम–3, इश्शू–12, पृ0 215–217

4.जोशी, ललित मोहन (2014). स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् शैक्षिक सुधार – समालोचनात्मक अध्ययन, पेरीफेक्स– इण्डियन जर्नल ऑफ रिसर्च, वॉ0 3, इश्शू–2, पृ0 87–89

5.देवी रश्मि एवं मिश्रा, राजन (2015). बालिका शिक्षा की स्थिति एवं विकास में ऑगनबाडी एवं समुदाय की सहभागिता का अध्ययन, एशियन ग्लोबल जर्नल (ए मल्टीनेशनल मल्टीडिस्पिलनरी रिसर्च जर्नल), वॉ0 2, इश्शू–4, पृ0 22–24
6.यादव, नरेन्द्र कुमार सिंह (2000). अनुसूचित जाति के सन्दर्भ में प्राथमिक स्तर पर बालिका शिक्षा की स्थिति : एक अध्ययन, शोध प्रबन्ध (शिक्षाशास्त्र), बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी।
7.यादव, अच्युत कुमार (2013) ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार के बच्चों की शिक्षा हेतु किए जा रहे सरकारी प्रयासों का समीक्षात्मक अध्ययन, लघु शोध प्रबन्ध, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।